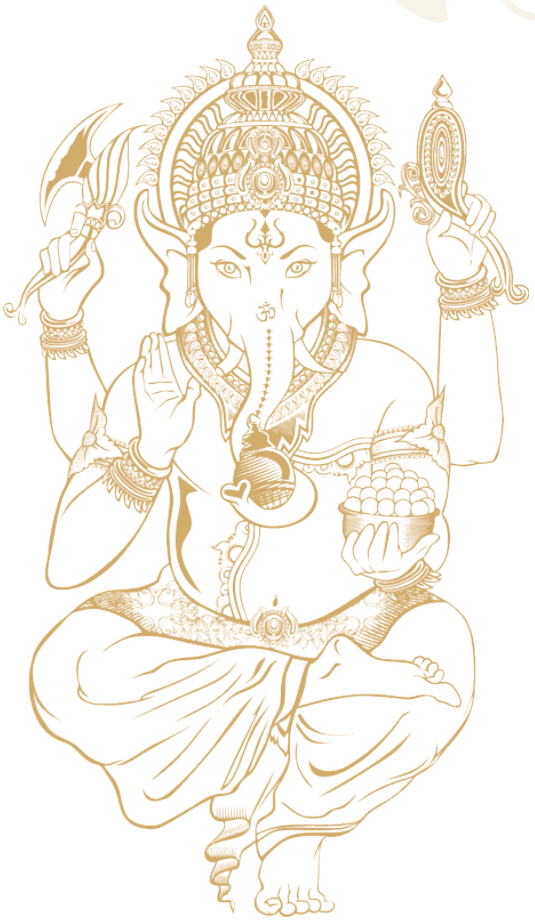

amit

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121491401

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121491401 Date: 06/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
2-03/09/1995	जन्म तिथि	07/12/1998
शनि-रविवार	दिन	सोमवार
घंटे 02:20:00	जन्म समय	23:30:00 घंटे
घटी 50:51:32	जन्म समय(घटी)	40:49:52 घटी
India	देश	India
Hamirpur	स्थान	Ludhiana
31:38:00 उत्तर	अक्षांश	30:56:00 उत्तर
76:36:00 पूर्व	रेखांश	75:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:36	स्थानिक संस्कार	-00:26:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:59:23	सूर्योदय	07:11:23
18:45:42	सूर्यास्त	17:24:25
23:47:57	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:21

मिथुन	लग्न	सिंह
बुध	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
वृश्चिक	राशि	कर्क
मंगल	राशि-स्वामी	चन्द्र
ज्येष्ठा	नक्षत्र	पुष्य
बुध	नक्षत्र स्वामी	शनि
2	चरण	4
विष्कुम्भ	योग	ऐन्द्र
बालव	करण	तैतिल
या-यतीन्द्र	जन्म नामाक्षर	डा-डाली
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
विप्र	वर्ण	विप्र
कीटक	वश्य	जलचर
मृग	योनि	मेष
राक्षस	गण	देव
आद्य	नाड़ी	मध्य
मृग	वर्ग	श्वान

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 9वर्ष 5मा 12दि	29:03:27	मिथु	लग्न	सिंह	12:11:00	शनि 0वर्ष 4मा 22दि
शुक्र	16:06:50	सिंह	सूर्य	वृश्चि	21:34:57	शुक्र
14/02/2012	22:35:15	वृश्चि	चंद्र	कर्क	16:23:26	30/04/2023
14/02/2032	03:17:32	तुला	मंगल	कन्या	11:52:37	30/04/2043
शुक्र 16/06/2015	12:15:21	कन्या	बुध व	वृश्चि	08:35:24	शुक्र 30/08/2026
सूर्य 15/06/2016	13:10:35	वृश्चि	गुरु	कुंभ	25:18:54	सूर्य 30/08/2027
चन्द्र 14/02/2018	19:38:10	सिंह	शुक्र	धनु	01:06:37	चन्द्र 30/04/2029
मंगल 16/04/2019	28:26:07	कुंभ व	शनि व	मेष	03:21:57	मंगल 30/06/2030
राहु 16/04/2022	03:47:57	तुला व	राहु व	सिंह	00:51:13	राहु 30/06/2033
गुरु 15/12/2024	03:47:57	मेष व	केतु व	कुंभ	00:51:13	गुरु 29/02/2036
शनि 14/02/2028	03:10:45	मक व	हर्ष	मक	15:59:49	शनि 30/04/2039
बुध 15/12/2030	29:14:57	धनु व	नेप	मक	06:25:23	बुध 28/02/2042
केतु 14/02/2032	04:11:45	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	14:22:13	केतु 30/04/2043

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:57 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:21

लग्न-चलित

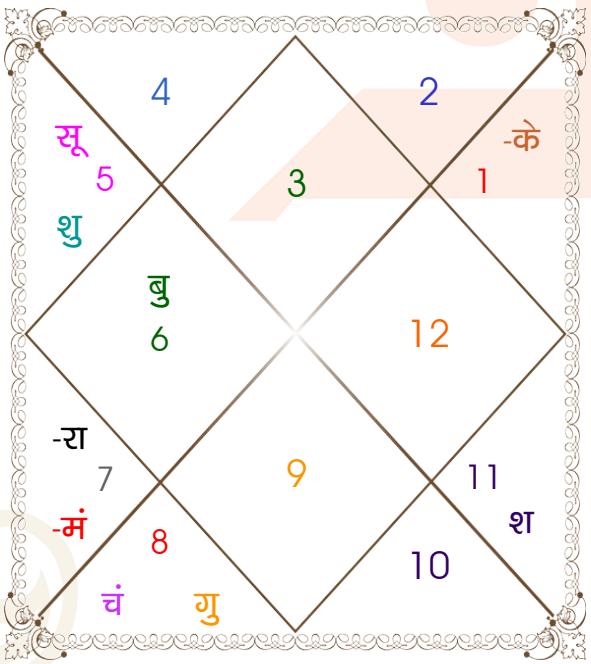

लग्न-चलित

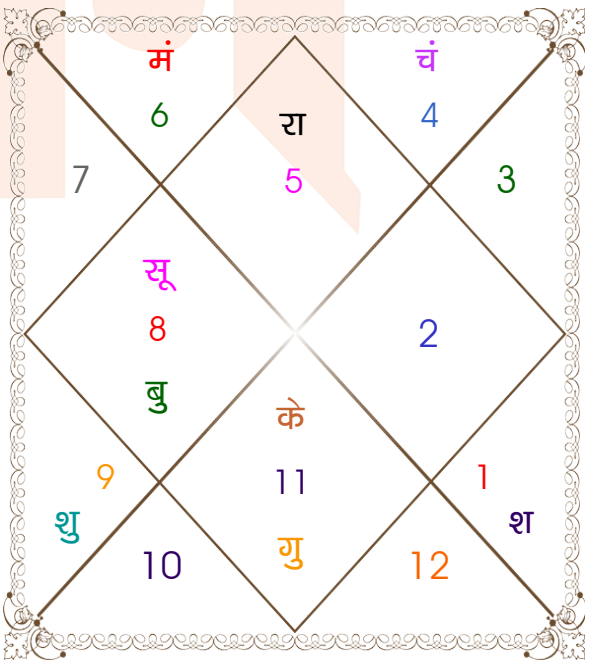

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

कुल : **21 / 36**

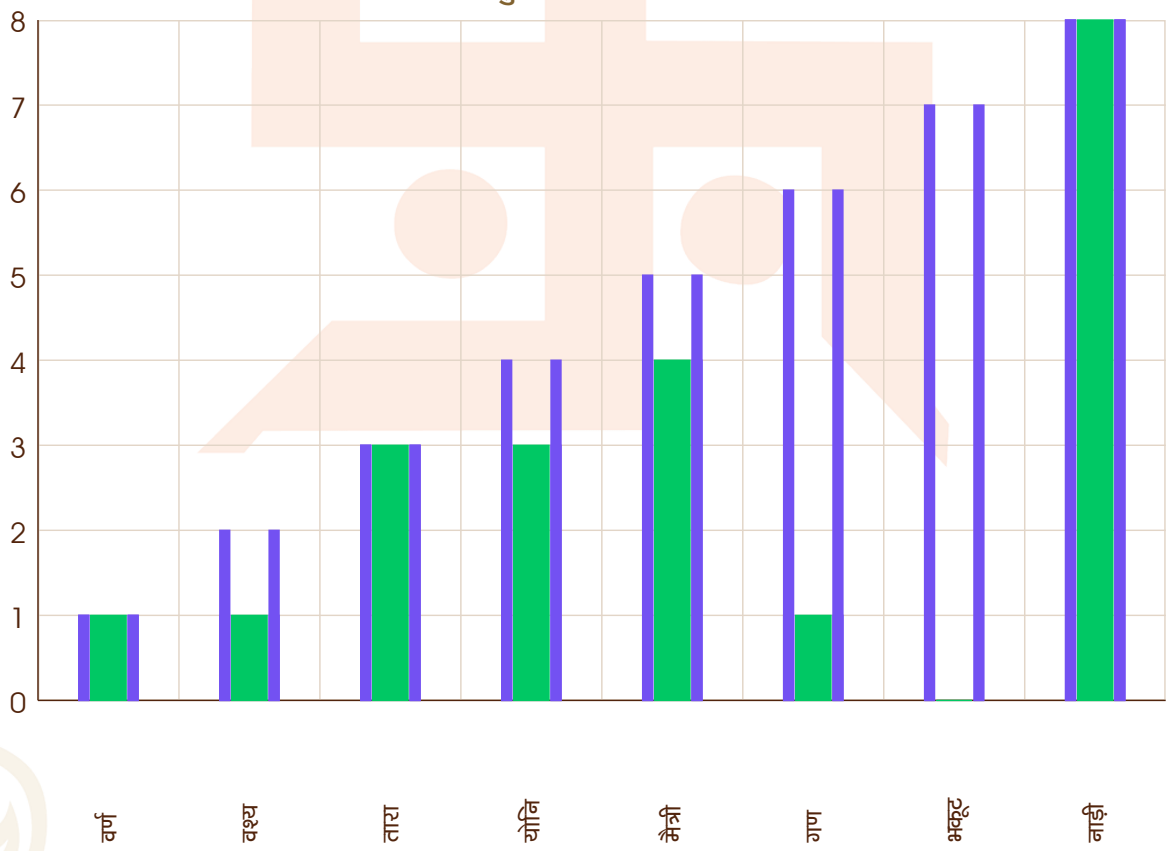

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

amit का वर्ग मृग है तथा I का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर ।म है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार amit और I का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

amit मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

I मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

amit तथा I में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

amit का वर्ण ब्राह्मण तथा । का वर्ण भी ब्राह्मण है अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके कारण दोनों के गुण, स्वभाव, आदतें, पसन्द एवं नापसंद ।भी एक-समान होंगी। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल अनुरूप एवं अनुकूल ।बित होंगे तथा दोनों हमेशा ।माजिक, व्यावसायिक एवं पारिवारिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन में एक-दूसरे की ।हायता करेंगे।

वश्य

amit का वश्य कीट है एवं । का वश्य जलचर है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। जलचर एवं कीट आप। में न तो मित्र होते हैं और न ही शत्रु। अतः कीट amit एवं जलचर । के बीच वैवाहिक ।बंध उदासीनता तथा प्रेम एवं ौहार्द का अभाव बना रहेगा। जिसके कारण इनका जीवन नीर। हो ।कता है। अधिकांश ।मय दोनों ।मझौता करके तालमेल बनाने में व्यतीत करेंगे किंतु डंक मारना कीट का नैसर्गिक स्वभाव होता है अतः amit यदा-कदा अस्वाभाविक व्यवहार कर ।कता है जिससे । शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक रूप े आहत हो ।कती है।

तारा

amit की तारा ।म्पत तथा । की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इ। मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं ।मृद्धि का बनी रहेगी। इ। विवाह े amit एवं । दोनों के ौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे।। एक अच्छे ।थी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार े ।मय ।मय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं ौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी ंतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में ।फलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

amit की योनि मृग है तथा । की योनि मेष है। अर्थात दोनों की योनि ।मान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का ंबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में ौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को ।हयोग करेंगे। आपसी ।मझ एवं विश्वा। की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में ।भी कार्य आपसी ।हमति े करेंगे एवं उनमें ।फलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के ुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये ोत बनेंगे तथा अच्छी आय के ।थ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में ुख ।मृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं ौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसू। करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। ।थ ही ।भी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों े उत्पन्न ंतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में ।फलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में

सफलता इनके कदम चूमेगी। इ‌ प्रकार इनका वैवाहिक जीवन ‌ुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में amit का राशि स्वामी । के राशि स्वामी ‌े मित्र का ‌ंबंध रखता है। जबकि । का राशि स्वामी amit के राशि स्वामी के ‌ाथ ‌म का ‌ंबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार ‌े अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि ‌े यदि एक ‌ाथी के राशि स्वामी दूसरे ‌ाथी के लिए मित्र हो किंतु दूसरे ‌ाथी के राशि स्वामी अपने ‌ाथी के राशि स्वामी को ‌म मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक ‌ुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं ‌मृद्धि ‌े युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक ‌मझ, विश्वा‌ एवं ‌हयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा ‌ामाजिक दायित्वों का निर्वहन ‌ाथ मिलकर करते रहेंगे तथा ‌भी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

amit का गण राक्ष‌ तथा । का गण देव है। अर्थात । का गण amit के गण ‌े श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण amit निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो ‌कते हैं। ‌ाथ ही amit का । के ‌ाथ क्रूर व्यवहार करने की ‌ंभावना बनी रह ‌कती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर ‌कते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। । हमेशा हर कदम पर ‌मझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का ‌ंबंध बना रहे।

भकूट

amit से । की राशि नवम भाव में स्थित है तथा । से amit की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट ‌कती हैं। amit की प्रवृत्ति लॉटरी, ‌ट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो ‌कती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

नाड़ी

amit की नाड़ी आद्य है तथा । की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी ‌मान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि ‌े दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में ‌े दो वात एवं पित्त का ‌मन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का ‌मन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी ‌ंतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप ‌े दृढ़ एवं ‌ौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में ‌ुविधा ‌ंपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

मेलापक फलित

स्वभाव

amit की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक तथा । की राशि भी जलतत्व युक्त कर्क है। जलतत्व की परस्पर ।मानता होने के कारण amit और । की स्वभावगत विशेषताओं में ।मानता होगी फलतः दाम्पत्य ।बंधों में मधुरता रहेगी तथा इनका वैवाहिक जीवन ुखी रहेगा।

amit की जन्म राशि का स्वामी मंगल तथा । की राशि का स्वामी चन्द्रमा परस्पर ।म एवं मित्र राशियों में स्थित हैं। अतः ुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति उत्तम रहेगी। इसके प्रभाव ो amit और । का आप। में प्रेम ।हानुभूति तथा ।मर्पण का भाव होगा तथा ुख दुख में एक दूसरे को ।हयोग प्रदान करने में तत्पर रहेंगे। ाथ ही एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे इनका वैवाहिक जीवन ुख पूर्वक व्यतीत होगा।

amit और । की राशियां परस्पर नवम एवं पंचम भाव में पड़ती है शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव ो उपरोक्त शुभ फलों में यदा कदा न्यूनता का भाव आएगा तथा आप। में मतभेद तथा विरोध के भाव में वृद्धि होगी। वे एक दूसरे के प्रति अंहकार एवं श्रेष्ठता की भावना भी रखेंगे। इससे ।बंधों में तनाव तथा कटुता का भाव उत्पन्न होगा अतः ुखी दाम्पत्य जीवन व्यतीत करने के लिए amit और । को ऐसी प्रवृतियों की उपेक्षा करनी चाहिए।

amit का वश्य कीट तथा । का वश्य जलचर है। अतः नैसर्गिक रूप ो इन दोनों के मध्य मित्रता तथा ।मता होने के कारण amit और । की अभिरूचियों में ।मानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं ।मान रहेगी। ाथ ही दाम्पत्य ।बधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा ।न्तुष्ट करने में ।मर्थ रहेंगे।

amit और । दोनों का वर्ण ब्राह्मण है अतः इनकी कार्य क्षमताएं ।मान होंगी तथा शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्य कलापों में दोनों रूचिशील रहेंगे फलतः कार्य क्षेत्र में ुदृढ़ता बनी रहेगी।

धन

amit की तारा ।म्पत तथा । की तारा अतिमित्र है इसके शुभ प्रभाव ो amit सौभाग्यशाली तथा धनवान व्यक्ति होंगे तथा । के भाग्य ो उनकी धन ।म्पति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का उनकी आर्थिक स्थिति पर ।मान्य प्रभाव रहेगा तथा उससे आर्थिक स्थिति ।मान्य ही रहेगी। ाथ ही मंगल का भी आर्थिक क्षेत्र पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इ प्रकार वे ऐश्वर्य एवं ।मृद्धि ो युक्त होंगे तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

amit और । को अनाया। धन प्राप्ति की पूर्ण ।भावना रहेगी तथा जीवन में वे ।मस्त भौतिक ुख ।साधनों का उपभोग करने में ।मर्थ रहेंगे। विशेष रूप े। का शुभ प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर रहेगा तथा ।ामाजिक स्तर पर भी उनका पूर्ण ।म्मान रहेगा।

स्वास्थ्य

amit की नाड़ी आद्य तथा । की नाड़ी मध्य है। अतः यह मिलान नाड़ी दोष े मुक्त रहेगा। इसके प्रभाव े दोनों शारीरिक एवं मानसिक रूप े स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे तथा ुख पूर्वक अपना दाम्पत्य जीवन व्यतीत करने में ।फल होंगे। ।ाथ ही amit और । के स्वास्थ्य पर मंगल का भी कोई दुष्प्रभाव नहीं है जिससे दोनों ।ामान्यतया स्वस्थ ही रहेंगे। इ। प्रकार यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके अतिरिक्त अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को परिश्रम तथा पराक्रम े ।म्पन्न करेंगे जिससे जीवन में खुशहाली तथा ।न्तुष्टि बनी रहेगी।

संतान

यथोचित ।मय पर ंतति प्राप्ति की दृष्टि े amit और । का मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इसके प्रभाव े उन्हें ंतति प्राप्ति में विलम्ब होगा तथा बच्चों के मध्य भी जन्म ।मय में असामान्य अंतर रहेगा जिससे उनके पालन पोषण में यदा कदा असुविधा की अनुभूति होगी। इसके ।ाथ ही amit और । की ंतति में पुत्र तथा कन्याओं की ंख्या ।मान रहेगी।

। के मन में अन्य ।ामान्य महिलाओं की तरह प्रसव के विषय में चिन्ता तथा भय का भाव व्याप्त रहेगा परन्तु । को ऐसी अनावश्यक चिन्ताओं े मुक्त रहना चाहिए क्योंकि उनका प्रसव ।ामान्य रूप े ।म्पन्न होगा तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक कष्ट या परेशानी उत्पन्न नहीं होगी। तथापि ।ावधानी वश । को गर्भावस्था में उचित डाक्टरी परीक्षण नियमित रूप े करवाते रहना चाहिए। इससे वह ुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में ।मर्थ होंगी तथा स्वयं का स्वास्थ्य भी अनुकूल रहेगा। ।ाथ ही । के पति एवं ।स-ससुर भी उससे प्रसन्न तथा ।न्तुष्ट रहेंगे।

बच्चों की अनुकूल प्रगति े amit और । उनसे प्रसन्न तथा ।न्तुष्ट रहेंगे तथा बच्चे भी अपनी व्यवहार कुशलता योग्यता तथा बुद्धिमता े अपने क्षेत्र में ।फलता एवं प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। ।ाथ ही अन्य ।ामाजिक जन भी उनसे प्रसन्न तथा प्रभावित रहेंगे। माता पिता के प्रति उनके मन में पूर्ण आदर तथा आज्ञा पालन का भाव रहेगा परन्तु पिता की अपेक्षा माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव होगा एवं उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य ।म्पन्न नहीं करेंगे। इ। प्रकार amit और । का पारिवारिक जीवन ुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

। के ।। से प्रायः अच्छे ंबध रहेंगे। यद्यपि उनकी ।। अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत । के लिए अनुकरणीय

हो ाकते है। ाथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष ामस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

। अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं ोवा भाव ो ासुर को प्रसन्न एवं ान्तुष्ट करने में ाफलता प्राप्त करेंगी। ाथ ही ननद एवं देवरों के ाथ भी उनके ांबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण ाहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में ाफल रहेंगी।

इा प्रकार । के प्रति उनके ाा ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता ो पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण ाुख ाुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

amit के अपनी ाा से ांबधों में मधुरता रहेगी तथा ाा को वह अपनी माता के ामान पूर्ण आदर एवं ाम्मान प्रदान करेंगे। वह उन्हें अपने पुत्र के ामान ामझेंगी तथा उसी प्रकार अपनत्व तथा वात्सल्य प्रदान करेंगी। ाथ ही ामय ामय पर वे ापत्नीक ाा से मिलने के लिए ासुराल जाते रहेंगे।

लेकिन ासुर के ाथ में amit के ांबध अच्छे नहीं रहेंगे। इनकी आयु में अधिक अंतर के कारण वैचारिक तथा ौद्धांतिक मतभेद ामय ामय पर उत्पन्न होते रहेंगे। लेकिन यदि दोनों ाामंजस्य की प्रवृति ो कार्य लें तो मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा मधुर ांबधों में वृद्धि होगी। ाथ ही ाले एवं ाालियों ो भी ांबधों में तनाव रहेगा तथा मानसिक स्तर पर विभिन्नता रहेगी जिससे एक दूसरे को वांछित ाहयोग स्नेह एवं ाहानुभूति अल्प ही प्रदान करेंगे। अतः इनको परस्पर ाामंजस्य के भाव की स्थापना करनी चाहिए। इा प्रकार ासुराल पक्ष का दृष्टिकोण amit के प्रति ाामान्य ही रहेगा।